प्रभात खबर
www.prabhatkhabar.com

बिन चढ़ावा मिल रही सेवा

नहीं लगाना पड़ रहा कार्यालयों का चक्कर

पटना : बिहटा प्रखंड के मिलकी पर गांव के सर्वेश्वर कुमार को विश्वास नहीं था कि अब जाति, आवासीय व आय प्रमाणपत्र लेना इतना आसान हो जायेगा. पहले तो इसे लेने के लिए प्रखंड कार्यालय का महीनों चक्कर लगाना पड़ता था ही, बाबुओं की जेब भी भरनी पड़ती थी सो अलग.

वह बताते हैं कि एक दिसंबर, 2011 को ऑनलाइन आवेदन दिया था और 17 दिसंबर को ही सूचना मिल गयी कि आपका प्रमाणपत्र बन गया है. आप प्रखंड कार्यालय जाकर उसे ले लें. सूचना आते ही सहज विश्वास नहीं हो रहा था कि तय समय 26 दिसंबर से पहले भी प्रमाणपत्र बन कर तैयार हो गया.

यह कमाल हुआ है लोक सेवा का अधिकार कानून के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया से. इसके तहत आवेदन करने में आवेदकों को आसानी हो रही है और उनका निष्पादन भी तेजी से हो रहा है.

आवासीय सर्टिफ़िकेट की मांग ज्यादा

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन के अधिकारियों की मानें, तो जब से यह कानून लागू हुआ, यानी 15 अगस्त, 2011 से लेकर अब तक विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए 70 लाख लोगों ने आवेदन दिया है. इनमें से 58 लाख को वांछित सेवा उपलब्ध करा दी गयी है. इनमें आधे से अधिक यानी 37 लाख आवेदन आवासीय प्रमाणपत्र के लिए है.

26 लाख लोगों को आवासीय प्रमाणपत्र उपलब्ध भी करा दिये गये हैं. यही ट्रेंड ऑनलाइन आवेदनों की भी रही है. एक दिसंबर से 27 दिसंबर तक आवासीय प्रमाणपत्र के लिए 31,952 आवेदन आये हैं.

इनमें से 11 हजार लोगों को आवासीय प्रमाणपत्र दे दिये गये हैं. इसके बाद जाति प्रमाणपत्र की भी डिमांड ज्यादा है. ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत 17,579 ने जाति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किये हैं. इनमें से 6100 को प्रमाणपत्र दे दिये गये हैं.

जहां तक आय प्रमाणपत्र की बात है, तो इसकी कम डिमांड है. इस अवधि में 11,467 लोगों ने आय प्रमाणपत्र के लिए आवेदन दिया है. इसके वितरण की प्रगति थोड़ी धीमी है. इसमें अब तक मात्र 3,900 को आय प्रमाणपत्र दे दिये गये हैं.

नये तरीके अपनाने का प्रयास

लोक सेवा का अधिकार कानून में सबसे खराब प्रदर्शन दाखिल-खारिज, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन व चरित्र सत्यापन जैसे मामलों का रहा है.

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन इन सेवाओं को और रोचक व उसके निष्पादन में तेजी लाने के लिए नये तरीके अपनाने पर सोच रहा है. मिशन का प्रयास है कि अगले 26 जनवरी से तत्काल सेवा शुरू होगा, तो इसका लाभ लोगों को जल्द मिलेगा.